डी.एल.एड. - द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र - सप्तम

गणित एवं गणित शिक्षण

भाग-1

गणित की प्रकृति

गणित का स्वरूप, गणित के त्तव

भिन्नात्मक संख्याएं

भिन्न की संक्रियाएं, भिन्नों में सूत्र विधि पर चर्चा, दशमलव स्वरूप में व्यक्त भिन्नों पर चर्चा

भाग-2

गणित में गतिविधि व आयतन

आयतन, गतिविधियों से सीखना

गणित सीखना सिखाना व आकलन

सीखने की प्रक्रिया पर विभिन्न विचार, शिक्षण की प्रचलित प्रथाएं, निरूपण

भाग-3

आंकड़ों का उपयोग और निरूपण

आंकड़ों का इस्तेमाल सीखना, आंकड़ों से निष्कर्ष निकालना कैसे सिखाएं, संभावना के बारे में सीख
ना

भाग-4

संख्याओं का वृहद स्वरूप

ऋणात्मक संख्याएं, अंकगणित से बीजगणित की ओर, वैदिक गणित की कुछ गतिविधियाँ

गणित सीखने का भाषा से सम्बन्ध

भाषा का विकास भारतीय गणितज्ञ

डी.एल.एड. - द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र - अष्टम्

शिक्षा दर्शन - व्यक्ति, सीखना व शिक्षा

भाग-1

शिक्षा में मूल मान्यताएँ

दस्तावेजों का संक्षिप्त परिचय, विभिन्न दस्तावेजों में व्यक्ति संबंधी विचार, विभिन्न दस्तावेजों में समाज संबंधी विचार, विभिन्न दस्तावेजों में शिक्षा संबंधी विचार, शिक्षण प्रक्रिया

भाग-2

दार्शनिक विचार के तरीके और उपकरण

चिन्तन के दार्शनिक तरीके, प्राचीन भारतीय दर्शन, प्राचीन पाश्चात्य दर्शन में चिन्तन, आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्र तिवाद और प्रयोजनवाद, सुकरात - यूथिफो संवाद, युक्ति या दलील, तर्कवाक्य
आगमन, निगमन, आगमन और निगमन का संबंध, तर्कदोष

भाग-3

व्यक्ति और समाज

पृष्ठ भूमि, विभिन्न सिद्धांतों व विचारधाराओं का समालोचनात्मक अध्ययन उपनिषदों में व्यक्ति की धारणा, समालोचनात्मक अध्ययन, गीता में व्यक्ति की धारणा, बाईबिल में व्यक्ति की धारण, कुशन में व्यक्ति की धारणा, बौद्ध दर्शन में व्यक्ति की धारणा, इम्मेनुअल कांट में के दर्शन में व्यक्ति की धारणा, कार्ल मार्क्स व प्र फेडरिल रेंजल के दर्शन में व्यक्ति की धारणा

भाग-4

भारतीय शिक्षा चिंतक

रवीन्द्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानन्द, मोहनदास करमचन्द गाँधी, श्री अरविंद घोष

पाश्चात्य शिक्षा चिन्तक

प्लेटो, अल-गजाली, जीन जेक्स रन्सो, जॉन डिवी

डी.एल.एड. - द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र - नवम्

भाषा (हिन्दी) व भाषा शिक्षण

भाग–1

1 बाल–साहित्य एवं पुस्तकाल, पुस्तकालय का परिचय/अर्थ, कक्षा में अन्य पुस्तकें, कहानी कथन कौशल, बच्चों को कहानी सुनाना वाकई एक हुनर है। आइए देखते हैं कौन–कौन सी बारीकियाँ होती हैं कहानी सुनाने में, कहानियाँ कहाँ से लाएँ, कहने लायक कहानी, ज़रूरत क्या है, कहानियाँ अच्छी तरह सुनने की क्षमता का विकास करती हैं, कहानी सुनाने से अंदाज़ लगाने का प्रशिक्षण मिलता है, कहानियाँ हमारी दुनिया को फैलाती हैं , कहानी सुनाना और पढ़ना, कहानी सुनाने का कौशल, बाल साहित्य – एक परिचय, बाल सहित्य, हिंदी बाल साहित्य : कुछ विचारणीय बिंदु, बाल साहित्यपरक चिंतन की आवश्यकता, बच्चों की आज की दुनिया, आधुनिक भाव–बोध, नैतिक मूल्यः आज के संदर्भ में, आज की वैज्ञानिक प्रगति और बच्चे, बाल मनोविज्ञान, परी कथाओं का प्रश्नचिह्न क्यों ,चित्र कथाओं के प्रति बच्चे का बढ़ता आकर्षण, बाल साहित्य में बालिका का महत्व कम क्यो, शिशुगीत –आज भी उतने ही आकर्षक, साहसिकता की भावना और बाल साहित्य, संकलित बाल साहित्य एवं गतिविधियाँ, (अ) आम , (आ) ज़रा सोचो तो, (इ) चित्रकार, (ई) मज़े की बात, (उ) बब्बू और झब्बू, (ए) क्या तुम मेरी माँ हो?, (ऐ) किसी से कहना मत, (ओ) पहेलियाँ, (औ) चित्र पहेली, (अं) बूझो मेरा नाम बनाओ मेरा चित्र

साहित्य को अनुभूति

एक टोकरी–भर मिट्टी, उदत्त संगीत – मुक्तक, पिस्ते बादाम तोंबा, दूँगी फूल कनेर के, प्रायश्चित्त, गुलेलबाज़ लड़का, पापा खो गए, दादाजी, जो बीत गई, छोटा जादूगर, पिता के पत्र पुत्री के नाम, चमड़ी जाय पर दमड़ी न जाय, नमक का दारोगा, छात्र की परीक्षा, तू ज़िन्दा है तो.....

भाग–2

बच्चों में भाषा विकास

भाषा शिक्षण के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण, भाषा माने क्या, भाषा व बोली, भाषा नक़ल से सीखी जाती है, भाषा सिखाने का एक मात्र साधन पाठ्यपुस्तक है, बच्चों की क्षमताओं में विश्वास, बालक की मातृभाषा एवं भाषाई क्षमता, बच्चे की क्षमता, बोलने के लिए क्या चाहिए, अवधारणाएँ और बालक, वाक्य संरचना व बच्चा , यह सब कैसे सीखा गया है, क्या बालक अनुकरण (नकल करके) से सीखता है , सीखने वाले बालक की विशिष्टताएँ अथवा लक्षण, विशिष्टताओं के निहित प्रभाव, बच्चों की भाषाओं को स्वीकार करें, बच्चों को सम्मान और एक सकारात्मक आत्मछवि चाहिए, भाषा शिक्षण के उद्देश्य, भाषा–शिक्षण के उद्देश्य कक्षा 1 से 2, भाषा–शिक्षण के उद्देश्य कक्षा 3 से 5, व्याकरण, भाषा की कक्षा कैसी हो ? कुछ उदाहरण, उदाहरण : 1, कक्षा में लिखित परिवेश से जुड़े हुए कुछ तथ्य, उपस्थिति चार्ट–, सुबह का संदेश या आज का संदेश–, शब्द–दीवार–, कैलेण्डर–, पहेली का कोना–, कविता का कोना–, अगर आए हो तो मन की बात लिखो, कुछ मुख्य सवाल

भाग–3

भाषा व विचार – व्यक्तित्व विकास में भाषा की भूमिका

मनुष्य क्यों अलग है, विचार, तर्क व उससे आगे, अवधारणाएँ कैसे बनती हैं, शब्द, अवधारणा व उनका जाल 1. भाषा और विचार का संबंध, (I) भाषा विचारों पर गहरा प्रभाव डालती है , (II) भाषा का विचारों पर प्रभाव नहीं पड़ता (III) भाषा कुछ हद तक विचारों को प्रभावित करती है :–भाषिक और अभाषिक सन्दर्भ, उदाहरण 2. (अंग्रेज़ी व जापानी), उदाहरण 3. (हिन्दी व अंग्रेज़ी), (IV) 2. भाषा और विचार का संबंध, क्या भाषा सोच को प्रभावित करती है , एक से अधिक कैसे दिखाएँ, क्या हम भाषा में ही सोचते हैं, क्या शब्द सोच सीमित करते हैं ऐस्किमो और बर्फ़ के लिए शब्द, भाषा व्यक्ति के लिए क्यों आवश्यक है,, भाषा व संज्ञान, भाषा की संज्ञान में भूमिका, भाषा में संज्ञान ;समझ की भूमिका, सीखना क्या जैविक मंत्र है , भाषा याने अंतर्निहित क्षमता परिवेश व भाषा, बातचीत, समझ व भाषा का विकास, भाषा सीखने में मदद कैसे हो, शुरूआती भाग का विकास व अवधारणाएँ, क्या भाषाई क्षमता की जगह व अन्य अवधारणाओं की जगह पूर्व, निर्धारित व अलग है, भाषा सीखने के चरण, ध्वनि से सार्थक ध्वनि व अर्थ, वाक्य, लम्बे वाक्य, ज्यादा उलझे विचारों से सामना, चित्र भाषा सीखने के चरण, भाषा का सीखने सिखाने से संबंध, भाषा क्यों ज़रूरी है, भाषा का सीखने सिखाने से संबंध

भाग–4

हिन्दी भाषा की संरचना के पहलू

व्याकरण का अर्थ और उसका महत्व, व्याकरण शिक्षा के उद्देश्य –, व्याकरण की शिक्षा किस प्रकार दी जाए, व्याकरण शिक्षण कब प्रारंभ किया जाए, किस स्तर पर क्या पढ़ाया जाए, व्याकरण शिक्षण की प्रणालिया निगमन प्रणाली, सूत्र प्रणाली, आगमन प्रणाली, भाषा संसर्ग प्रणाली, सहसम्बन्ध प्रणाली, किस स्तर पर किस प्राणाली को अपनाया जाए, व्याकरण शिक्षण को रूचिकर कैसे बनाया जाए , व्याकरण शिक्षण के सोपान, सहायक शिक्षण सामग्री, सहायक सामग्री तथा उद्योतन सामग्री, दृश्य–श्रव्य सामग्री का अर्थ, श्रव्य–दृश्य सामग्री के उद्देश्य, श्रव्य–दृश्य सामग्री की आवश्यकता एवं महत्व, श्रव्य–दृश्य सामग्री का वर्गीकरण, श्रव्य सामग्री, रेडियो , ग्रामोफोन, टेपरिकॉर्डर, लिंग्वाफोन, दृश्य सामग्री,.वास्तविक पदार्थ, प्रतिरूप, चित्र, मानचित्र, चार्ट, मूक चित्र, श्रव्य–दृश्य सामग्री, चलचित्र अथवा सिनेमा, टेलीविजन,. लघु नाटिकाएँ, श्रव्य–दृश्य साधनों के प्रयोग में सावधानियाँ

डी.एल.एड. – द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र – दशम् (भाग–1)
भाषा (द्वितीय भाषा अंग्रेजी) व भाषा शिक्षण

Chapter Name

PART - 1

1- ENGLISH IN OUR LIVES

Words/Expressions around us

The historical and political contexts of, English in India, English: its use and purpose today, Everyone can learn English

PART - 2

2- LEARNING ENGLISH

Use language freely, Fun with words, Reading and understanding text, Writing, Projects

PART - 3

3- HOW CAN ENGLISH BE TAUGHT?

How to encourage children to learn new language? , Motivation, NCF 2005 & teaching of English, Using materials and activities for teaching English, How to teach with the help of a textbook?, Using children's literaturefor teaching English, Role of a teacher

PART - 4

4- STRUCTURE OF THE ENGLISH LANGUAGE

Rules at sound level, Structure of Hindi and English Sentences,Arbitrariness off language, Teaching Grammar to Children, Children's language

5- TEACHING PLAN AND CONTINUOUS & COMPREHENSIVE EVALUATION

A Teaching Plan

B Continuous and comprehensive Evaluation (CCE)

डी.एल.एड़ द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र – दशम् (भाग–2)
भाषा (तृतीय भाषा संस्कृत) व भाषा शिक्षण

भाग–1

1 : संस्कृत भाषा क्षिक्षण

अध्ययन के उद्देश्यए परिचय, संस्कृत भाषा शिक्षण की आवश्यकताएँ

संस्कृत भाषा शिक्षण के उद्देश्य

संस्कृत भाषा शिक्षण के विशिष्ट उद्देश्य

कौशलपरक दक्षताएँ

(क) सुनना (ख)भाषणम् (ग)वाचनम (घ)लेखनम् (च)भाषिकतत्वम्

संस्कृत भाषा शिक्षण की प्रविधियाँ (1 से 10), संस्कृत भाषा की उपादेयता

भाग–2

2 : आधार पाठ्यपुस्तक मनोरमा (संस्कृत कक्षा-8)

मंगल कामना (मंगल के पद) मंगलचरणम् ,छत्तीसगढ़स्य लोकगीतानि,अनुशासनम्,सुभाषितानि,डॉ. सर्वपल्लीराधाकृष्णन्,प्राच्यनगरी सिरपुरम्,गीतागङ्गोदकम्,ग्राम्यजीवनम्,षड्ऋतुवर्णनम्,राष्ट्रीयः संचयः,चतुरः वानरः,महर्षिः दधीचिः,रामगिरिः,रामगढम्,नीतिनवनीतम्,प्रकृतिवेदना,मित्रं प्रति पत्रम्,अन्तरिक्षज्ञानम्,महाकविः कालिदासःसूक्तयः

भाग–3

3 : व्याकरणिक विधाएँ

उच्चारण, भाषा का ध्वन्यात्मक स्वरूप, रेफयुक्तशब्द/संयुक्ताक्षर

सन्धि

समास, समास के प्रकार,कारक, कारक के प्रकार/क्रियाकलाप,क्रिया, क्रिया के भेद,पुरुष, पुरुष के भेद, काल, काल के प्रकार,वचन, वचन के प्रयोग,लिग, लिंग के भेद,वाच्य,अव्यय, अव्यय के प्रकार,उपसर्ग, संस्कृत भाषा में उपसर्ग कृदन्त, मुख्य कृदन्त प्रत्यय,

भाग–4

4 : खण्ड (अ) काव्यतत्व

छनद अलंकार रस पर्यायवाची शब्द विलोम शब्दलोकोक्ति व मुहावरे

(ब) मूल्याँकन

मूल्याँकन का अभिप्राय वर्तमान संस्कृत मूल्यांकन प्रणाली संस्कृत–परीक्षण के प्रकार हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद संस्कृत अनुवाद के लिए महत्वपूर्ण क्रियाएँ

5 : संस्कृत की पाठयोजनाएँ (हरबर्टीय पंचपदीय आधारित पाठयोजना तथा बालकेन्द्रित पाठयोजना)

उद्देश्य, विशिष्टउद्देश्य, उद्देश्यकथन, प्रस्तुतीकरण, आदर्शवाचन, अनुकरण वाचन, कक्षा – कार्यगृह–कार्य

6 : संस्कृत निबंध

परोपकारः, सत्सङ्गतिः, विद्या, संस्कृत भाषायाः महत्वम्, अस्माकं विद्यालयः, अनुशासनम्, ग्राम्य–जीवनम्, पुस्तकम्,महाकविःकालिदासः, दीपावलिः।